ये अव्यक्त इशारे

अब अपनी पुरानी नेचर व संस्कारों का परिवर्तन करो

18-11-2022

ब्राह्मण जीवन का नेचुरल स्वभाव-संस्कार ही योगी जीवन, ज्ञानी जीवन है। जीवन अर्थात् निरन्तर, सदा। 8 घण्टा जीवन है, फिर 4 घण्टा नहीं – ऐसा नहीं होता। आज 10 घण्टे के योगी बने, आज 12 घण्टे के योगी बने, आज 2 घण्टे के योगी बने, वो योग लगाने वाले योगी हैं, योगी जीवन वाले योगी नहीं।

Now transform the old nature and old sanskars.

The natural nature and sanskar of Brahmin life is a yogi and gyani life; life that is constant and continuous. It is not a life for 8 hours and then for 4 hours, today, I was a yogi for 10 hours, today, I was a yogi for 12 hours, today, I was a yogi for 2 hours. Such yogis are those who have to make effort to have yoga, they are not yogis with a yogi life.